**श्रमण १९९५ ०१ (फोल्डर नं. ०२५०२१)**

**सम्पादक - डॉ. अशोक कुमार सिंह**

**सह सम्पादक – डॉ. शिवप्रसाद**

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

अर्धमागधी आगम साहित्य – प्रो. सागरमल जैन ---------- १

प्राचीन जैन आगमों में चार्वाक दर्शन का प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा – प्रो. सागरमल जैन ---------- ४६

महावीर के समकालीन विभिन्न आत्मवाद एवं उसमें जैन आत्मवाद का वैशिष्ट्य – प्रो. सागरमल जैन ---------- ५९

सकारात्मक अहींसा की भूमिका – प्रो. सागरमल जैन ---------- ६९

तीर्थंकर और ईश्वर के सम्प्रत्ययों का तुलनात्मक विवेचन ---------- ८७

जैन जगत् ---------- ९३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org